उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰ / बी॰एस.सी॰ / बी॰कॉम॰ (आनर्स): भाग.1 | सेमेस्टर : i | F-103,(R-11)

विषय: आधार पाठ्यक्रम | प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा

शीर्षक : हिन्दी भाषा ..– साहित्य और परम्परा सत्र 2017– 18

पाठ्यक्रम

1. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास (आठवीं से तेरहवीं सदी)।
2. हिन्दी की बोलियाँ : पश्चिमी एवं पूर्वी बोलियों का सामान्य परिचय।
3. वर्णमाला का परिचय
   स्वर और व्यंजन, अनुस्वार और अनुनासिक, स्पर्श व्यंजन, उत्क्षिप्त व्यंजन, अन्तःस्थ व्यंजन, संयुक्त व्यंजन।
4. अशुद्धि संशोधन– वर्तनीगत, शब्दगत एवं वाक्यगत।
5. **प्रादर्श पाठ** : भक्तिकालीन आन्दोलन और संत कवि :

   कबीर की भक्ति और निर्गुण साधना– पाँच साखियाँ एवं दो पद

   1. सतगुरु की महिमा अनंत.....
   2. चकवी बिछुरी रैणि की.....
   3. जब मैं था तब हरि नहिं.....
   4. यहु तन काँचा कुंभ है, चोट चहुँ दिसि खाय.....
   5. केसो कहा बिगाड़िया.....

   पद

   1. मन फूला फूला फिरै जगत में.....
   2. तेरा मेरा मनुवां कैसे एक होइ रे.....

   रैदास का परिचय एवं उनके दो पद–
   – प्रभु जी तुम चंदन हम पानी।
   – रामहिं पूजा कहां चढ़ाऊं

6. **प्रादर्श पाठ** : खड़ी बोली कविता की शक्ति
   - मैथिलीशरण गुप्त – सखि, वे मुझसे कहकर जाते
   - माखनलाल चतुर्वेदी – कैदी और कोकिला
   - बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' – हम अनिकेतन
7. प्रादर्श पाठ – गद्य का विकास
   - भारतेंदु हरिश्चंद्र – हिन्दी कविता
   - चंद्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था
   - सरदार पूर्ण सिंह – आचरण की सभ्यता
8. संचार माध्यमों की भाषा :

- कम्प्यूटर और हिन्दी
- अभ्यास : आवेदन एवं पत्र लेखन (शासकीय एवं अशासकीय)

8. द्रुत पाठ – अंधेर–नगरी

आलोक –

1. प्रादर्श पाठ से आशय पूछा जायेगा ।
2. गद्य एवं पद्य तथा द्रुत पाठ से व्याख्या नहीं पूछी जायेगी ।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰/बी॰एस.सी॰ / बी॰कॉम॰ (आनर्स) : (आनर्स): भाग.1 सेमेस्टर : ii	F-103,(R-11)

विषयः आधार पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा

शीर्षक हिन्दी भाषा –. साहित्य और परम्परा II सत्र 2017 – 18

पाठ्यक्रम

1. शब्द विचार और सम्पदा – व्युत्पत्ति, रचना, अर्थ एवं प्रयोग के आधार पर शब्द के भेद ।
2. मानक भाषा – परिभाषा, लक्षण एवं महत्व ।
3. मुहावरे और लोकोक्तियाँ।
4. प्रादर्श पाठ : भक्तिकालीन आन्दोलन और संत कवि : **सूरदास का काव्य और सगुण उपासना –(पाँच पद)**
   1.अविगत गति कछु कहत न आवै.....
   2.हमारे प्रभु अवगुन चित न धरो.....
   3.सोभित कर नवनीत लिए.....
   4.बूझत स्याम कौन तू गोरी.....
   5.उद्धव मन नाहिं दस बीस.....
   - गिरधर कविराय की दो कुण्डलियाँ–
     1. बिना विचारे जो करै सो पाछे पछताय।
     2. बीती ताहिं बिसारि दे, आगे की सुधि लेय।
     3. गुन के गाहक सहस नर
     4. दौलत पाय न कीजिए
5. प्रादर्श पाठ : खड़ी बोली कविता की शक्ति
   - भवानी प्रसाद मिश्र – सतपुड़ा के घने जंगल
   - त्रिलोचन – चंपा काले काले अक्षर नहीं चीन्हती
   - गिरजा कुमार माथुर – आज विजय की रात पहरुये सावधान रहना
6. प्रादर्श पाठ – **गद्य का विकास**
   - रामचंद्र शुक्ल – करुणा (निबंध)
   - महादेवी वर्मा – चीनी भाई (संस्मरण)
   - राम कुमार वर्मा – दीपदान (एकांकी)

आलोक –

1. प्रादर्श पाठ से आशय सारांश पूछा जायेगा ।
2. गद्य एवं पद्य से व्याख्या नहीं पूछी जायेगी ।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰ / बी॰एस.सी॰ / बी॰कॉम॰ (आनर्स): भाग.2 सेमेस्टर : iii F- 303 (R-12)

विषयः आधार पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा

शीर्षकहिन्दी भाषा– साहित्य और संवेदना सत्र 2017 –18

पाठ्यक्रम

1- हिन्दी का विकास एवं अन्य रूप : हिन्दवी, रेख्ता, हिन्दुस्तानी, उर्दू, दक्खिनी ।

2- वाक्य विचार : वाक्य, उपवाक्य और वाक्यांश, रचना एवं अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद ।

3- प्रादर्श पाठ – गद्यभाषा की रचना

- कफन – प्रेमचन्द्र
- नाखून क्यों बढ़ते हैं – हजारी प्रसाद द्विवेदी
- वापसी – विष्णु प्रभाकर

4- प्रादर्श पाठ – भक्तिकालीन सामाजिकता : तुलसीदास की साहित्य साधना ।

1 विनय प्रत्रिका – I जाके प्रिय न राम वैदेही

II ऐसो को उदार जग माही

III तू दयालु दीन हौं

2. कवितावली से : I मातु–पिता जग जाइ तज्यौ,

II खेती न किसान को भिखरी को न भीख बली

5- प्रादर्श पाठ – नजीर अकवरावादी की दो नज्में –

I बंजारा नामा , II गुरुनानक

6- प्रादर्श पाठ : खड़ी बोली कविता की संवेदना–

(क) जयशंकर प्रसाद : श्रद्धा सर्ग (कामायनी) 10 छन्द

1. एक तुम यह विस्तृत भूखण्ड प्रकृति वैभव से भरा अमंद।
2. अकेले तुम कैसे असहाय यजन कर सकते ? तुच्छ विचार।
3. दब रहे हो अपने ही बोझ खोजते भी न कहीं अवलंब;
4- समर्पण लो सेवा का सार सजल संसृति का यह पतवार।
5. दया, माया, ममता लो आज, मधुरिमा लो, अगाध विश्वास;
6. बनो संसृति के मूल रहस्य तुम्हीं से फैलेगी वह बेल;
7. और यह क्या तुम सुनते नहीं विधाता का मंगल वरदान–
8. डरो मत अरे अमृत संतान अग्रसर है मंगलमय वृद्धि;
9. देव असफलताओं का ध्वंस प्रचुर उपकरण जुटाकर आज;
10 चेतना का सुन्दर इतिहास अखिल मानव भावों का सत्य;

(ख) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : बादलराग–1

(ग) धूमिल (सुदामा पाण्डे) : रोटी और संसद

(घ) हरिवंश राय बच्चन पथ की पहचान

7- संक्षेपण और पल्लवन, राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा, प्रयोजन मूलक हिन्दी

8- द्रुत पाठ : आषाढ़ का एक दिन

विशेष –प्रादर्श पाठ से आशय एवं द्रुत पाठ से समीक्षा पूछी जाये। किसी भी अंश से व्याख्या नहीं पूछी जायेगी ।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰ / बी॰एस.सी॰ / बी॰कॉम॰ (आनर्स): भाग–II सेमेस्टर : (iv) ~~III~~ F- 303 (R-12)

विषय: आधार पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा –

शीर्षक :हिन्दी भाषा : साहित्य और संवेदना – II

पाठ्यक्रम

1- विराम चिन्ह : अल्पविराम, अर्द्धविराम, प्रश्नचिन्ह, निर्देशन चिन्ह, अवतरण चिन्ह, कोष्ठक, पूर्णविराम, योजक–चिन्ह, पुनरुक्तिबोधक चिन्ह, आदेश चिन्ह, हंसपद चिन्ह

2- संधि: परिभाषा एवं प्रकार

3- प्रादर्श पाठ – गद्यभाषा की रचना

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- परमात्मा का कुत्ता – मोहन राकेश
- जीप पर सवार इल्लियाँ – शरद जोशी

4- प्रादर्श पाठ – रीतिकालीन कविता की विशेषताएँ - व्रजभाषा का सौंदर्य

बिहारी के पाँच दोहे - शृंगार और प्रकृति

i. बतरस लालच लाल की.....नटि जाए।
ii. नहि पराग नहि मधुर.....आगे कौन हवाल ।
iii. अधर धरत हरि के .....इन्द्रधनुष रंग होति ।
iv. कहत, नटत, रीझत.....नैनन ही सो बात ।
v. कहलाने एकत बसत.....दीरघ दाघ निदाघ ।

5- रहीम के पाँच दोहे - (नीति)

i. रहिमन धागा प्रेम का.....गाँठ पड़ जाए ।
ii. रहिमन पानी राखिए.....मोती, मानुष, चून ।
iii. कदली सीप भुजंग.....तैसोई फल दीन ।
iv. यों रहीम सुख..... ज्यों मेंहदी को रंग ।
v. जो रहीम उत्तम.....रहत भुजंग ।

6- प्रादर्श पाठ खड़ी बोली कविता की संवेदना –

(क) सुमित्रानन्दन पंत : मधुकरी (पल्लव)
(ख) सुभद्रा कुमारी चौहान : वीरों कैसा हो वसन्त
(ग) रामधारी सिंह दिनकर : जनतंत्र का जन्म

7- वक्तृत्व कला : शिकागो व्याख्यान – विवेकानंद

विशेष – प्रादर्श पाठ से आशय पूछे जायेंगे । किसी भी अंश से व्याख्या नहीं पूछी जायेगी ।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰/बी॰एस.सी॰/ बी॰कॉम॰ (आनर्स): भाग.III — F-503 ;R-13)
सेमेस्टर : V

विषय : आधार पाठ्यक्रम — प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा - III

शीर्षक : हिन्दीभाषा -साहित्य और आधुनिकता सत्र 2017– 18

पाठ्यक्रम

1- खड़ीबोली गद्य का विकास

2- समास परिभाषा और प्रकार

3- बिम्ब और प्रतीक

4 प्रादर्श पाठ : हिन्दी गद्य की विधाए (निबंध)
(क) भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई
(ख) आंगन का पंछी - विद्या निवास मिश्र
(ग) भारतीय संस्कृति - राजेन्द्र प्रसाद

5 – प्रादर्श पाठ : हिन्दी गद्य की विधाए (कहानी)
क) हार की जीत –सुदर्शन
(ख) चीफ की दावत - भीष्म सहानी
(ग) अपना अपना भाग्य – जैनेन्द्र

6 – प्रादर्श पाठ : खड़ीबोली की नयी अभिव्यंजना
(क) शिवमंगल सिंह 'सुमन'- मिट्टी की महिमा
(ख) बशीर बद्र : उजाले अपनी यादों के एवं सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जायेगा
(ग) कीर्ति चौधरी : फूल झर गए

7– इलेक्ट्रानिक मीडिया और विश्वभाषा हिन्दी

8 – (क) अनुवाद की प्रक्रिया और सिध्दांत

(ख) रचनात्मक लेखन और अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद

9– द्रुत पाठ - स्वाध्याय : सौन्दर्य की नदी नर्मदा- अमृत लाल वेगड़

विशेष : *1.प्रादर्श पाठ से आशय और द्रुत पाठ से सार पूछा जायेगा।*
2-किसी भी अंश से व्याख्या नहीं पूछी जायेगी ।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰/बी॰एस.सी॰/ बी॰कॉम॰ (आनर्स): भाग.III सेमेस्टर : Vi	F-503 ;R-13)

विषय : आधार पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा - III

शीर्षक हिन्दी भाषा- साहित्य और आधुनिकता सत्र 2017– 18

पाठ्यक्रम

1- अलंकार - शब्दालंकार-अनुप्रास, यमक और श्लेष तथा अर्थालंकार - उपमा, रूपक और उत्प्रेक्षा

2- रसः नव रस उदाहरण सहित

3- देवनागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी

4- प्रादर्श पाठ : हिन्दी गद्य की अन्य विधाएं

(क) अपना अपना भाग्य - जैनन्द्र

(ख) गूलर का फूल - कुबेरनाथ राय

(ग) साहित्य - लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

5- प्रादर्श पाठ : खड़ीबोली की नयी अभिव्यंजना

(क) अज्ञेय - सामाज्ञी का नैवेद्यदान

(ख) मुक्तिबोध - भूल गलती

(ग) नागार्जुन - अकाल और उसके बाद

(घ) अटल बिहारी वाजपेयी – कदम मिलाकर चलना होगा

6- हिन्दी ग़ज़ल और दुष्यन्त कुमार - साये में धूप -

1. कहाँ तो तय था चिरांगा...,
2. ये सारा जिस्म झुक कर ....

7- फीचर, पटकथा लेखन, नुक्कड़ नाटक और साक्षात्कार

विशेष : *१.प्रादर्श पाठ से समीक्षा पूछा जायेगा।*

2-किसी भी अंश से व्याख्या नहीं पूछी जायेगी ।

उच्च शिक्षा उत्कृष्ट्रता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰ (आनर्स): भाग.I | सेमेस्टर : प्रथम

विषय : हिन्दी साहित्य | प्रश्नपत्र : आनर्स-एक सत्र:2017

18

शीर्षक – आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य

पाठ्यक्रम

नोटः इस प्रश्नपत्र में आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य एवं निर्धारित कवियों का अध्ययन किया जायेगा।

(क) हिन्दी साहित्य का उद्भव एवं विकास:हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन और परंपरा

(ख) आदिकाल की आर्थिक, सामाजिक एवं धार्मिक परिस्थितियाँ ।

(ग) आदिकाल के प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ-

1-अमीर खुसरो की पहेलियाँ:

- एक थाल मोती से भरा.....
- एक नार ने अचरज किया.....
- एक नार दो को ले बैठी.....
- चाम मास बाके नहिं नेक....
- उज्ज्वल बरन, अधीन तन...
- खुसरो नैन सुहाग की....
- गोरी सोवै सेज .....

2- चन्दवरदायीः पृथ्वी राज रासो, सम्पादकः हजारी प्रसाद द्विवेदी,नामवर सिंह आदि पर्व के **प्रथम दस पद** -

- आदि देव प्रनम्य ..... सर्वेस वर्दामयं ॥१॥
- प्रथमं भुजंगी .....कवीचन्द भख्खी ॥२॥
- उचिष्ट चंद .....अनूठ उधारि (दूहा)॥३॥
- कहै कंति सम .....कवियन कहै ॥ ४॥
- सम वनिता .....कवितह हँसन ॥ ५॥
- तुम बानी ..... अच्छी कहहि ॥ ६॥
- गज गबनी .....मैं लहिय ॥ ७॥
- फूलि कित्ति ..... कबि हास ॥ ८॥ (दूहा)
- पय सक्करी .....नैव जीवंति ॥ ९॥

- सत्त खनै ..... नैव चालंति ॥ १० ॥

(घ) भक्तिकाल काल विभाजन एवं रचनाकार और उनकी रचनाएँ-

3-कबीर- (कबीर ग्रंथावली सं.श्यामसुन्दर दास)

गुरुदेव को अंग-

- राम नाम कै पटतरे ..... ॥ ४॥
- पीछे लागा जाइ था.....॥ ११॥
- दीपक दीया तेल भरि .....॥ १२॥
- जाका गुरु भी अंधला .....॥ १५॥

सुमिरन को अंग-

- मेरा मन सुमिरै राम कूँ..... ॥ ८॥
- लम्बा मारग दूरि घर..... ॥ २७॥

बिरह को अंग-

- यहु तन जालै मसि करौ ..... ॥ १२॥
- आंषड़ियाँ झाईं पड़ी ..... ॥ २२ ॥
- इस तन का दीवा करौं..... ॥ २३॥

ज्ञान विरह को अंग-

- हिरदा भीतरि दौ बलै..... ॥ ३॥
- अगनि जू लागी नीर में ..... ॥ ५॥
- समन्दर लागी आगि..... ॥ १०॥

परचा को अंग-

- कबीर मन मधुकर भया..... ॥ ६॥
- चौहटै च्यंतामणि चढ़ी..... ॥ १९॥
- गगन गरिंजि अमृत चवै..... ॥४०॥

निहकर्मी प्रतिवता को अंग-

- कबीर कूत्ता राम का ..... ॥१४ ॥
- मन प्रतीति न प्रेम रस..... ॥ १६॥

मन को अंग-

- हिरदा भीतरि आरसी..... ॥ ८॥
- पाँणी ही तैं पातला..... ॥ १२॥

चितामणि कौ अंग-

- कबीर नौबति आपणी..... ॥ १॥
- हाड़ जलै ज्यूँ लाकड़ी..... ॥१६ ॥

माया को अंग-

- माया मुई न मुवा..... ॥ ११॥
- त्रिष्णाँ सींची नाँ बुझे..... ॥ १५॥

सहज को अंग-

- सहज सहज सबकौ कहै..... ॥१॥

भ्रम विधौसण को अंग-

- मन मथुरा दिल द्वारिका..... ॥ १०॥

भेष कौ अंग-

- कबीर माला काठ की..... ॥ ५॥
- केसौं कहा बिगाड़िया..... ॥ १२॥

कुसंगति को अंग-

- माषी गुड़ मैं गड़ि रही..... ॥६॥

संगति को अंग-

- कबीर तन पंषी भया..... ॥ ७॥

असाध कौ अंग-

- उज्ज्वल देखि न धीजिये ..... ॥२॥

साध को अंग-

- कबीर संगत साध की..... ॥ २॥

साध साषी भूत को अंग-

- संत न छाड़ै संतई..... ॥२॥

साध महिमाँ कौ अंग-

- चन्दन की कुटकी भली..... ॥१॥

उपदेस कौ अंग-

- ऐसी बाँणी बोलिये..... ॥९॥

सम्रथाई कौ अंग-

- सात समंद की मसि करौ..... ॥५॥

हेत प्रीति सनेह को अंग-

- कमोदनी जलहरि बसै..... ॥१॥

सूरा तन कौ अंग-

- सूरा तबही परषिये..... ॥ ९॥
- कबीर यहु घर प्रेम का..... ॥ १९॥
- प्रेम न खेती नींपजे..... ॥ २१॥

काल कौ अंग-

- पाँणी केरा बुदबुदा..... ॥१४॥

कस्तूरियाँ मृग कौ अंग-

- कस्तूरी कुडंलि बसै..... ॥१॥

4- जायसी- नागमती विरह वर्णन

5- सूरदास बाललीला-

- सोभित कर नवनीत लिये ।
- कहन लागै मोहन मइया मइया
- मैया, कबहि बढ़ैगी चोटी
- खेलत मैं को काको गुसैया
- मैया मैं नहिं माखन खायो

6-तुलसीदास- रामचरित मानस (गीताप्रेस)

(क) **उत्तरकाण्ड के-** दोहा कमांक ३२ से ३८ संतों के लक्षण-

(ख) **कवितावली के पांच पद-**

- अवधेस के द्वारैं सकारे गई..... ॥१॥ (बालकाण्ड)
- कीर के कागर ज्यों नृपचीर ..... ॥१॥ (अयोध्या काण्ड)
- नाम अजामिल से खल कोटि..... ॥५॥ (अयोध्या काण्ड)
- पुरतें निकसी रघुबीरबधू..... ॥११॥ (अयोध्या काण्ड)
- किसबी, किसान कुल वनिक ..... ॥९६॥ (उत्तर काण्ड)
- खेती न किसान को..... ॥९७॥ (उत्तर काण्ड)
- धूत कहौ अवधूत कहौ..... ॥१०६॥ (उत्तर काण्ड)

7- मीराँ- भक्तिमती मीराँबाईः (लाल बहादुर सिंह चौहान)

- मेरे तो गिरधर गोपाल ..... ॥१॥
- बसौ मेरे नैनन में नदलाल..... ॥२॥
- भज मण चरण कमल अविनासी..... ॥१७५॥
- राम नाम रस पीजै मनुआँ..... ॥१७८॥
- मीराँ मगन भई हरि के गुण गाय ..... ॥५२॥

नोट- समस्त पाठ्यकम से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय दीर्घ उत्तरीय एवं व्याख्या पूछी जायेगी ।

प्रश्न-पत्र 150 अंक का रहेगा ।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 20

व्याख्यांश (दो) : 30 अंक

लघुउत्तरीय : 40 अंक

दीर्घ उत्तरीय : 60 अंक

नोट - *समस्त पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय, समीक्षात्मक/आलोचनात्मक एवं व्याख्या आधारित प्रश्न पूछे जायेंगे*

संदर्भ ग्रंथ सूची-

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आ.रामचन्द्र शुक्ल
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त
4. गद्य की विधाएँ - डॉ. माजदा असद
5. साहित्य सहचर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

B.A. 1ST 2 SEM (H-1) Hindi katha sahitya (premchad ugeen katha sahitya)

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰ (आनर्स): भाग.। सेमेस्टर : द्वितीय

विषय : हिन्दी साहित्य प्रश्नपत्र : IV

आनर्स-1

अंक - 150

शीर्षक – हिन्दी कथा साहित्य सत्र 2017 -18

पाठ्यक्रम

(क) **उपन्यासः** उपन्यास का स्वरूप, विकास और तत्व ।

1- गोदान- प्रेमचन्द

2- विराटा की पद्मिनी- वृन्दावन लाल वर्मा

(ख) **कहानीः** कहानी का स्वरूप, विकास एवं तत्व।

1- एक टोकरी भर मिट्टी- माधवराव सप्रे

2- मंत्र - प्रेमचन्द

3- ताई - विश्वम्भर नाथ कौशिक

4- हार की जीत- सुदर्शन

5- गुण्डा- जयशंकर प्रसाद

6- न्याय - निराला

7- लाल पान की बेगम - फणीश्वर नाथ रेणु

8- सच्चा मोती - सुभद्रा कुमारी चौहान

9- पाजेब - जैनेन्द्र कुमार

10-गदल - रांगेय राघव

नोट : नोट- समस्त पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय दीर्घ उत्तरीय एवं व्याख्या पूछी जायेगी ।

प्रश्न-पत्र 150 अंक का रहेगा ।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 20

व्याख्यांश (दो) : 30 अंक

लघुउत्तरीय : 40 अंक

दीर्घ उत्तरीय : 60 अंक

21/4/17 21.4.17 21.4.17 Devashish

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰), भोपाल

बी॰ए॰ (आनर्स) : भाग-I | सेमेस्टर : प्रथम

विषय : हिन्दी साहित्य | प्रश्नपत्र : आनर्स–II / सहायक

शीर्षक: प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Maximum Marks: **150**

पाठ्यक्रम

नोट: इस प्रश्नपत्र में प्राचीन एवं मध्यकालीन रचनाकारों एवं उनकी रचनाओ का अध्ययन किया जायेगा।

(क) हिन्दी साहित्य काल विभाजन की अवधारणा

(ख) जैन–नाथ एवं सिद्ध साहित्य का परिचय

(ग) प्राचीन एवं मध्यकालीन रचनाकार एवं रचनाएँ –

1. विद्यापति का परिचय एवं उनके चार पद:

- नव नव....पल्लव सेज ओछाअल ....‖50‖ *(गंगाधर मिश्र कवि विद्यापति)*
- आएल ऋतुपति राज वसंत ... समुखहि कोकिल पंचम गाय ....‖51‖ *वही*
- जे फूल भमर निन्दहु सुमन ....सेहे संसार का कसार. ....‖54‖ *वही*
- सक्कय वाणी बहुअ न भावइ ..... तैंसन जम्पओं अवहट्ठा ....‖77‖ *वही*

(घ) *भक्तिकाल के रचनाकार और उनकी रचनाएँ –*

2. कबीर ग्रंथावली के पद– श्यामसुन्दर दास

- पाडें कौन कुमति तोहि लागी .... – 39
- पंडित वाद बदन्ते झूठा .... – 40
- हम न मरैं मरिहैं संसारा .... – 43
- लोका जानि न भूलौ भाई ...... – 51
- मन थिर रहै न घर है मेरा .... – 79
- हरि जननि मैं बालक तेरा .... – 111
- भूली मालिनी है गोव्यंद जागतौ जगदेव ... – 198
- है कोई राम नाम बतावै ....
- मन रे राम नामहि जानि ......
- हरि बिन कौन सहाई मन का
- बेद पुरान सबै मत सुनि कैं ...... [illegible]
- अब मन जागति रहु रे भाई .... – 195

3. जायसी – नागमती विरह वर्णन। जायसी ग्रंथावली, *सम्पादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल*

4. तुलसीदास की दास्य भक्ति का परिचय –

(क) *विनय पत्रिका के पांच पद:*

- कबहुँक अंब ..... – 41
- श्री रामचंद्र कृपालु ..... – 45
- अबलौं नसानी ..... – 105
- हे हरि! – 121
- जाके प्रिय न राम–बैदेही – 174

(ख) *दोहावली के दस दोहे:*

- सघन सगुन .....
- बड़ो गहे .....,
- आपन छोड़ो ....,
- उरबि परि .....,
- कलि कुचालि .....,
- गो खग .....,
- साधन समय ....,
- तुलसी पावस ....,
- का भाषा .....,
- मनि मानिक .....।

5. सूरदास – भ्रमरगीत सार, *सम्पादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल से ग्यारह पद:*

- निर्गुण कौन देस को बासी 64
- काहे को रोकत मारग सूधो 62
- प्रीति करि दीन्ही गरै छुरी 75
- उधो सब स्वारथ के लोग 196
- उधो अंखियाँ अति अनुरागी 237
- देखियत कालिन्दी अतिकारी 278
- निसदिन बरसत नैन हमारे 316
- को कहै हरि सों बात हमारी 307
- जोग संदेसो ब्रज में लावत 357
- उधो मन माने की बात 366
- संदेसों देवकी सो कहियो 375

केशव - राम चन्द्रिका (रावण-अंगद संवाद
बिहारी - पाठ्य दोहे

6. रसखान का परिचय एवं पद – (रसखान रचनावली: *सम्पादक विद्यानिवास मिश्र, सत्यदेव मिश्र*)

- मानुष हौ तो वही रसखान 1
- मोर पखा सिर ऊपर राखिहौ 3
- धूर भरे अति सोभित स्याम जू 18
- सेस गणेस महेस दिनेस सुरेसहु 31

प्रेम–वाटिका से:

- बिन गुन जोवन .... सकल रसखानि 15
- दम्पति सुख ..... प्रेम रसखानि 19
- प्रेम हरी को ..... सूरज और धूप 24
- ग्यान ध्यान ...... एक अनेक 25
- हरि के सब ...... याहि बड़प्पन दीनि 36

नोट– *समस्त पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय एवं व्याख्या पूछी जायेगी।*

प्रश्न–पत्र 150 अंक का रहेगा।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	20 अंक
व्याख्यांश (दो)	:	30 अंक
लघुउत्तरीय	:	40 अंक
दीर्घ उत्तरीय	:	60 अंक

21.4.17

21/4/17

21/4/17

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई• ई• एच• ई•),

बी•ए• (आनर्स): भाग.I

सेमेस्टर : द्वितीय

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रश्नपत्र : आनर्स-2,सहायक

अंक - 150

शीर्षक -- कहानी और उपन्यास की रचना प्रकिया

पाठ्यक्रम

(क) उपन्यासः उपन्यास का उद्भव और विकास ।

1- कंकाल- प्रसाद (2) कलि कथा वाया बाइपास ~ अलका सरावगी

2- त्यागपत्र- जैनेन्द्र कुमार जैन

(ख) कहानीः कहानी का उद्भव और विकास, उसके विभिन्न आन्दोलन।

1- परदा- यशपाल

2- चीफ की दावत - भीष्म साहनी

3- वापसी - उषा प्रियवंदा

4- जिन्दगी और जोक- अमरकान्त

5- ब्लाड ईश्वरली- मुक्तिबोध

6- मिठाईवाला - भगवती प्रसाद वाजपेयी

7- आर्द्रा - मोहन राकेश

8- नकली हीरे- मन्नू भंडारी

9- भूख- चित्रा मुद्गल

10- हम हशमत जनम के- मालती जोशी

11- तीन किलो की छोकरी- मृदुला गर्ग

नोट- समस्त पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय दीर्घ उत्तरीय एवं व्याख्या पूछी जायेगी। प्रश्न-पत्र 150 अंक का रहेगा ।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 20

व्याख्यांश (दो) : 30 अंक

लघुउत्तरीय : 40 अंक

दीर्घ उत्तरीय : 60 अंक

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰), भोपाल

भाग-II

सेमेस्टर : तृतीय

हिन्दी साहित्य

प्रश्नपत्र : सहायक

छायावाद

पाठ्यक्रम

हिन्दी की विशाल साहित्यिक परंपरा में भक्तिकाल के लोक जागरण के पश्चात् नवोन्मेष का विकास छायावाद में ही दिखाई पड़ा। छायावाद परंपरा की समस्त विकास प्रक्रिया को समेटते हुये नयी–नयी भावभूमि और नये–नये रूप विन्यास देने में मील का पत्थर सिद्ध हुआ। उसने अपनी साहित्यिक यात्रा पग–पग न चलकर छलांग के द्वारा तय की। स्थूलता इतिवृत्तात्मकता की जगह सूक्ष्मता, तथ्य की जगह विराट कल्पना, सामाजिक–बोध की जगह व्यक्तित्व की स्वाधीनता, प्रकृति साहचर्य, मानव–प्रेम, वैयक्तिक प्रेम, उच्च नैतिक आदर्श, देश प्रेम, राष्ट्रीय–स्वाधीनता एवं सांस्कृतिक–जागरण का नया स्वर छायावाद में मुखरित हुआ। छायावाद नूतन और मौलिक शक्ति का काव्य है। इसमें 'स्व' की आभ्यंतरित शक्ति अभिव्यंजित हुई है जिससे आत्मीयता, जीवन की लालसा, उच्चतर जीवन की आकांक्षा त्याग, प्रेम आदि का संदेश निहित है। प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी की सर्जना प्रकाश स्तंभ जैसी है। छायावाद की छाया ग्रहण किये बिना शताब्दी की धड़कनों को समझने में हम असमर्थ होंगे। अतः इसका अध्ययन–मनन प्रासंगिक एवं अनिवार्य है।

1 छायावाद : सीमांकन, नामकरण तथा परिवेश

2 काव्यधारा : राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक कविता के प्रमुख कवि राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक काव्यधारा का परिचय

प माखनलाल चतुर्वेदी – हिमकिरीटनी, निःशस्त्र सेनानी

पप बालकृष्ण चतुर्वेदी 'नवीन' – कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, हम अनिकेतन

पपप मैथलीशरण गुप्त – यशोधरा, भरत का शोक

पअ श्यामनारायण पांडेय – हल्दी घाटी

अ सुभद्राकुमारी चौहान – झाँसी की रानी

3 छायावाद की सामान्य विशेषतायें:
छायावादी कवि और उनकी कवितायें:

i. जयशंकर प्रसाद – 'आँसू' के प्रथम बीस पद, बीती विभावरी जाग री।

ii. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – भारति जय विजय करे
बाँधो न नाव इस ठौर बंधु

iii. सुमित्रानंदन पंत – भारतमाता ग्रामवासिनी परिवर्तन

iv. महादेवी वर्मा – जाग तुझको दूर जाना
वीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ।

नोट : पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों / रचनाओं का अध्ययन, कवियों / रचनाओं की साहित्यिक विशेषताओं
का मूल्यांकन किया जायेगा।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई॰ ई॰ एच॰ ई॰),

बी॰ए॰ (आनर्स): भाग.II | सेमेस्टर : चतुर्थ

विषय : हिन्दी साहित्य | प्रश्नपत्र : आनर्स दो ,सहायक

अंक १५०

शीर्षक – नाट्य/काव्यनाटक/एकांकी सत्र 2017- 18

पाठ्यक्रम

नाटक/काव्यनाटक/एकांकी

१. नाटक - उद्भव एवं विकास - संक्षिप्त परिचय
   हिन्दी नाटककार और उनके नाटक
   १. भारतेन्दु हरिश्चंद्र - अंधेर नगरी
   २. जयशंकर प्रसाद - ध्रुवस्वामिनी
२. काव्य नाटक की परंपरा उद्भव और विकास
   हिंदी काव्यनाटक और नाटककार
   १. एक और द्रोणाचार्य - शंकर शेष
   २. एक कंठ विषपायी - दुष्यंत कुमार
३. एकांकी का उद्भव एवं विकास
   निम्नालिखित एकांकी तथा एकांकीकारों का अध्ययन
   १. विष्णु प्रभाकर - वापसी
   २. डॉ. रामकुमार वर्मा - दीपदान
   ३. उदयशंकर भट्ट - नये मेहमान
   ४. उपेन्द्रनाथ अश्क - सूखी डाली
   ५. भुवनेश्वर - स्ट्राइक

नोट - समस्त सामग्री से व्याख्यांश रचनाकार का परिचय, भाषा-शैली, नाट्यकला आधारित समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन - कुल अंक - १५०
वस्तु निष्ठ प्रश्न - २०
व्याख्यांश (कोई २) - ३०
लघु उत्तरीय प्रश्न - ४०
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (कोई ४)- ६०

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई.ई.एच.ई.),भोपाल

बी.ए.(आनर्स)भाग :ii | सेमेस्टर : पंचम

विषय:हिंदी साहित्य | प्रश्नपत्र:सहायक

छायावादोत्तर हिंदी कविता पाठ्यक्रम - 2017-18

नोट:इस प्रश्नपत्र में छायावादोत्तर काव्य की प्रवृतियों एवं निर्धारित कवियों का अध्ययन किया जायेगा |

व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न

1 अ.नागार्जुन	-यह तुम थी
	-बादल को घिरते देखा है
ब.त्रिलोचन	-नगई महरा
	भीख मांगते उसी त्रिलोचन को देखा
2 अ .केदारनाथ अग्रवाल	-हवा हूँ हवा हूँ वसन्ती हवा हूँ
	मैंने उसको जब जब देखा
ब. शमशेर बहादुर सिंह	-एक पीली शाम,सौन्दर्य
3 अ.गिरिजाकुमार माथुर	-छाया मत छूना मन
ब.भवानीप्रसादमिश्र	-गीत फरोश
4.अ.अज्ञेय	-नदीके द्वीप
ब.रघुवीर सहाय	-रामदास,आपकी हंसी
5 अ.धूमिल	-मोचीराम
ब.केदारनाथ सिंह	-रात पिया पिछवाड़े,दो मिनट का मौन

संदर्भ ग्रन्थ-

1हिंदीसाहित्य का वैज्ञानिक अध्ययन	-गणपति चन्द्रगुप्त(भाग 1,2)
2.हिंदीसाहित्य काइतिहास	-डॉ.नगेन्द्र
3.आधुनिक हिंदी काव्य	-द्वारिका प्रसादसक्सेना
4.समकालीन काव्ययात्रा	-नंदकिशोर नवल
5.आधुनिक हिंदी कविता	-विश्वनाथ प्रसादतिवारी
6.समकालीन हिंदी कविता	-विश्वनाथ प्रसादतिवारी

A-607 (N-15)

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आई•ई•एच•ई•), भोपाल

बी•ए• (आनर्स): भाग – III

सेमेस्टर : षष्ठम

विषय: हिन्दी साहित्य

प्रश्नपत्र : आनर्स-II/सहायक

शीर्षक: निबंध: विकास और आधुनिक विधाएँ

Maximum Marks: 150

पाठ्यक्रम

हिन्दी निबंध की विकास यात्रा–

1. आचरण की सभ्यता– सरदार पूर्ण सिंह
2. मेघदूत – आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
3. क्रोध – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4. साहित्य जन मानस के हृदय का विकास है– बाल कृष्ण भट्ट
5. भारतीय संस्कृति की रूपरेखा– गुलाब राय
6. शिरीष के फूल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. राम कृष्ण और शिव – डॉ. राम मनोहर लोहिया
8. संपाती के बेटे – कुबेरनाथ राय
9. वर्ण विन्यास– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10. कछुआ धर्म – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
11. मेरे राम का मुकुट भीग रहा है– आचार्य विद्यानिवास मिश्र

- गद्य विधाएँ : आधुनिक गद्य विधाओं की विकास यात्रा –

निर्धारित रचनाएँ–

- संस्मरण : डॉ. विजय बहादुर सिंह– सहृदयता उनकी पहचान है।

रिपोर्ताज : निर्मल वर्मा : सुलगती टहनी

यात्रा वृत्तांत: राहुल सांकृत्यायन : हिमालय में पहली बार

अन्य आधुनिक गद्य विधाओं का [illegible] परिचय : रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी, डायरी, साक्षात्कार, पत्र–साहित्य।

नोट – समस्त पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ, लघुउत्तरीय, समीक्षात्मक, आलोचनात्मक एवं व्याख्या आधारित प्रश्न पूछे जायेंगे।